

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I-खण्ड 1

PART I—Section 1 प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 158]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 24, 2014/ आषाढ़ 3, 1936

No. 158]

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 24, 2014/ASADHA 3, 1936

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 जून, 2014

विषय : चीन जन.गण. और स्विटजरलैंड के मूल के या वहां से निर्यातित डिकेटोपाइरोलो पाइरोले पिग्मेंट रेड (डीपीपी रेड 254) के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच की शुरूआत ।

सं. 14/8/2014—डीजीएडी.—यतः चीन जन.गण. और स्विटजरलैंड (जिन्हें आगे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित डिकटोपाइरोलो पाइरोले पिग्मेंट रेड (डीपीपी रेड 254) (जिसे आगे संबद्ध वस्तु कहा गया है) के आयातों के बारे में पाटनरोधी शुल्क हेतु जांच शुरू करने के लिए सम्बद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटन का आरोप लगाते हुए मैं. ह्यूबाच कलर प्रा.लि. (जिसे आगे आवेदक कहा गया है) ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्यारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे पाटनरोधी नियमावली कहा गया है), के अनुसार, निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन दायर किया है।

2. और यतः प्राधिकारी यह पाते हैं कि पाटनरोधी जांच को न्यायोचित ठहराने के लिए संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटन, घरेलू उद्योग को हुई "क्षित" और आरोपित पाटन एवं "क्षित" के बीच कारणात्मक संबंध का प्रथमदृष्टिया साक्ष्य मौजूद है; इसलिए प्राधिकारी उक्त आरोपित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करने और पाटनरोधी शुल्क की ऐसी राशि की सिफारिश करने, जिसे यदि लागू किया जाएगा तो वह घरेलू उद्योग को हुई "क्षिति" को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, के लिए पाटनरोधी नियमावली के नियम 5 के अनुसार, आरोपित पाटन और घरेलू उद्योग को हुई परिणामी क्षिति के बारे में एतद्द्वारा जांच शुरू करते हैं।

2581 GI/2014

विचाराधीन उत्पाद

3. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद डिकेटोपाइरोलो पाइरोले पिग्मेंट रेड (डीपीपी रेड 254) है।

डीपीपी रेड 254 बेहतर गोपन क्षमता, जैविक विलायक के लिए उत्कृष्ट फास्टनेस और उत्तम प्रकाश एवं मौसम संबंधी फास्टनेस वाला एक अत्यंत संतृप्त मीडियम शेड रेड पिग्मेंट है। पिग्मेंट्स सिंथेटिक जैविक रंग होते हैं जो समूची अनुप्रयोग प्रक्रिया के दौरान अपना क्रिस्टैलिंग अथवा पार्टीकुलेट स्वरूप बनाए रखते हैं। डीपीपी रेड 254 में उत्कृष्ट शेड, उच्च रंग क्षमता, अपारदर्शिता और संतृप्तता होती है। डीपीपी रेड 254 का रासायिनक नाम 3, 6-बीआईएस – (4 – क्लोरेफेनायल) – 2, 5 – डिहाइड्रो पायरोलो (3, 4 – सी) पायरोले, 1, 4 डायवन है। डीपीपी रेड 254 का अणुसूत्र C18H10C12N2O2 है। डीपीपी रेड 254 का रंग सूचकांक नम्बर 56110 है और रासायिनक डीपीपी रेड 254 का विनिर्माण विभिन्न कई शेडों और परिवर्तकों में किया जा सकता है। डीपीपी रेड 254 के सभी परिवर्तक और शेडों विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में शामिल हैं। इसकी बिक्री अपरिष्कृत या परिष्कृत रूपों में की जा सकती है। उत्पाद के क्षेत्र में किसी भी रूप में (शुष्क पाउडर, पेस्ट, वेटकेक आदि) अपरिष्कृत पिग्मेंट शामिल हैं।

डीपीपी रेड 254 का व्यापक उपयोग जल आधारित रंगों, एयर ड्राइंग अलक्रिड्स, स्टोविंग एनामिल, एसिड क्यूरिंग सिस्टम, अमीन क्यूरिंग एपोक्सीज, आयसोसाइनेट क्योर्ड सिस्टम, पावर कोटिंग आदि में उच्च निष्पादनकारी पिग्मेंट के रूप में किया जाता है। डीपीपी रेड 254 का प्रयोग आटोमोटिव एवं औद्योगिक रंग अनुप्रयोगों में भी किया जाता है। इसका प्रयोग मैटेलिक प्रभाव वाले फिनिशों को प्राप्त करने और नए संतृप्त मैटेलिक शेडों को तैयार करने के लिए किया जाता है। इसका प्रयोग पोलीओलेफिन, पीवीसी और पीएस में खासतौर पर प्लास्टिक अनुप्रयोगों में किया जाता है जहां ये उत्कृष्ट चहुमुखी गुणधर्म और उत्तम ताप प्रतिरोधी उत्पन्न करते हैं। अन्य प्रयोगों में परिवहन क्रेट्स, कैफ्स, बिलोमोल्टेड कंटेनर एवं फिल्में शामिल हैं। डीपीपी रेड 254 का प्रयोग इंजेक्शन मोल्डेड एचडीपीई के लिए वार्प फ्री फाम्यूलेशन तैयार करने में भी किया जाता है।

4. संबद्ध वस्तु सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम,1975 के अध्याय 32 के अधीन टैरिफ सीट्स 3204.17.39 के अंतर्गत वर्गीकृत है। डीपीपी रेड 254 का आयात 32041111, 32041630, 32041711, 32041719, 32041720, 32041790, 32041973, 32041984, 32049000, 32061110, 32064990 जैसे अन्य उपशीर्षों के अंतर्गत भी किया जा रहा है। तथापि, यह सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और इस जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।

घरेलू उद्योग का आधार

5. यह आवेदन मैसर्स यू बाच कलर प्रा०लि० द्वारा दायर किया गया है। रिकार्ड में उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार आवेदक सम्बद्ध वस्तु का एकमात्र उत्पादक है। उपलब्ध सूचना के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक कंपनी का उत्पादन भारतीय उत्पादन में एक बड़ा भाग बनता है। अतः प्राधिकारी यह निर्धारित करते हैं कि आवेदक नियम 2 (ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग है और आवेदन उपर्युक्त नियमावली के नियम 5 (3) के अनुसार आधार संबंधी मानदंड को पूरा करता है।

समान वस्तु

6. आवेदक ने दावा किया है कि भारत में पाटित की जा रही संबद्ध वस्तु घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु के समनुरूप है। पाटित आयातों और घरेलू रूप से उत्पादित संबद्ध वस्तु तथा आवेदक द्वारा विनिर्मित विचाराधीन उत्पाद की तकनीकी विशेषताओं, गुणवत्ता, कार्य एवं अंतिम प्रयोगों में कोई अंतर नहीं है। दोनों तकनीकी तथा वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं और इस प्रकार इन्हें पाटनरोधी नियमानुसार ''समान वस्तु'' माना जाना चाहिए । अतः वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ भारत में आवेदक द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु को ''समान वस्तु'' माना जा रहा है ।

संबद्घ देश

7. वर्तमान जांच में शामिल देश चीन जन गण. और स्विटजरलैंड हैं ।

सामान्य मृल्य

8. याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि सम्बद्ध देशों के घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की कीमत का कोई साक्ष्य न होने की स्थिति में उन्होंने भारत में विधिवत समायोजित उत्पादन लागत के अनुमानों के आधार पर सामान्य मूल्य की गणना हेतु परिकलित लागत पद्धित अपनाई है। सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय कीमत, घरेलू उद्योग की परिवर्तन एवं अन्य लागत तथा उचित लाभ मार्जिन पर विचार किया गया है। प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा इस प्रयोजनार्थ उपलब्ध कराए गए अनुसार बिक्री, सामान्य, प्रशासनिक एवं वित्तीय व्यय तथा उचित लाभ सिहत उत्पादन लागत के सर्वोत्तम अनुमानों के आधार पर इन देशों के संबंध में सम्बद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य पर प्रथम दृष्टिया विचार किया है।

निर्यात कीमत

9. आवेदन द्वारा वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से उपलब्ध कराए गए सौदेवार आयात आंकड़ों पर विचार करते हुए सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तु की निर्यात कीमत का अनुमान लगाया गया है। समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, अंतर्देशीय परिवहन, पत्तन हैंडलिंग और पत्तन प्रभारों आदि के लिए कीमत समायोजनों की अनुमित दी गई है तािक निवल निर्यात कीमत निकाली जा सके। पाटनरोधी जांच की श्रूरूआत को न्यायोचित ठहराने के लिए सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तु की निर्यात कीमत का पर्याप्त साक्ष्य है।

पाटन मार्जिन

10. सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना कारखाना द्वार पर की गई है जिससे संबद्ध देशों के बारे में अत्यधिक पाटन मार्जिन का पता चलता है। इस बात का पर्याप्त साक्ष्य है कि संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य कारखाना निर्यात कीमत से काफी अधिक है जिससे प्रथमदृष्टिया यह संकेत मिलता है कि संबद्ध देशों के निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तु का भारतीय बाजार में पाटन किया जा रहा है । पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक होने का अनुमान है ।

क्षति एवं कारणात्मक संबंध

11. आवेदक ने पाटित आयातों की मात्रा में सवंधित वृद्धि, कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत हास और घरेलू उद्योग के लाभ, लगाई गई पूंजी पर आय तथा नकद लाभ, बाजार हिस्से, क्षमता उपयोग आदि में गिरावट के रूप में पाटित पाटित आयातों के परिणामस्वरूप हो रही 'क्षति'' के बारे में साक्ष्य प्रस्तुत किया है । पाटनरोधी जांच को न्यायोचित ठहराने के लिए संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हो रही 'क्षति'' का पर्याप्त साक्ष्य है ।

जांच अवधि

12. वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच अवधि (पी ओ आई) 1 जनवरी, 2013 से 31 दिसम्बर, 2013 तक की है। तथापि, क्षति जांच अवधि में 2010—11, 2011—12 तथा 2012—13 की अवधि और जांच अवधि शामिल होगी ।

गोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करना

13. संबद्ध देशों में ज्ञात निर्यातकों, भारत में उनके दूतावासों / आर्थिक एवं सांस्कृतिक केंद्र के जिरए उनकी सरकारों, संबंधित समझे जाने वाले भारत में आयातकों और प्रयोक्ताओं तथा घरेलू उद्योग को निर्धारित प्रपत्र में एवं ढंग से संगत सूचना प्रस्तुत करने के लिए अलग से लिखा जा रहा है। कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी नीचे निर्धारित समय सीमा के भीतर निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से जांच से संगत अपने अनुरोध कर सकता है और निम्नलिखित को लिख सकता है।

निर्दिष्ट प्राधिकारी पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय वाणिज्य विभाग जीवन तारा बिल्डिंग ए 4 मंजिल 5ए संसद मार्ग नई दिल्ली—110011

समय-सीमा

14. वर्तमान जांच से संबंधित कोई सूचना और सुनवाई हेतु कोई अनुरोध इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से चालीस (40) दिनों से पूर्व उपर्युक्त पते पर प्राधिकारी के पास लिखित में पहुंच जानी चाहिए। तथापि, जिन ज्ञात निर्यातकों और आयातकों को अलग से लिखा जा रहा है, उनसे उन्हें अलग से लिखे गए पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर सूचना प्रस्तुत करने की अपेक्षा की जाती है। यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है अथवा प्राप्त सूचना अधूरी है तो प्राधिकारी पाटनरोधी नियमों के अनुसार, उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं। यह नोट किया जाए कि निर्धारित समय—सीमा में विस्तार हेतु कोई अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा।

गोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करना

15. यदि प्रश्नावली के उत्तर/अनुरोधों के किसी भाग के बारे में गोपनीयता का दावा किया जाता है तो उसे दो अलग–अलग सैटों (क) गोपनीय रूप में अंकित (शीर्षक, सूची, पृष्ठ संख्या आदि) और (ख) अगोपनीय रूप में अंकित दूसरा सैट (शीर्षक, सूची, पृष्ठ संख्या आदि) में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। प्रस्तुत की गई समस्त सूचना पर प्रत्येक पृष्ठ के सबसे ऊपर स्पष्ट रूप से "गोपनीय" या "अगोपनीय" अंकित होना चाहिए।

- 16. किसी गोपनीय अंकन के बिना प्रस्तुत सूचना को अगोपनीय माना जाएगा और प्राधिकारी अन्य हितबद्ध पक्षकारों को ऐसी अगोपनीय सूचना का निरीक्षण करने की अनुमति देने के लिए स्वतंत्र होंगे। समस्त हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय रूपांतरण और अगोपनीय रूपांतरण प्रत्येक की दो (2) प्रतियां प्रस्तुत की जानी चाहिए।
- 17. गोपनीय रूप में दावा की गई सूचना हेतु; सूचना प्रदाता के लिए यह अपेक्षित है कि वह प्रदान की गई सूचना के साथ इस आशय के यथोचित कारण का एक विवरण उपलब्ध कराए कि ऐसी सूचना का प्रकटन क्यों नहीं किया जा सकता और/अथवा ऐसी सूचना का सारांश क्यों संभव नहीं है।
- 18. अगोपनीय रूपांतरण को उस सूचना, जिसके बारे में गोपनीयता का दावा किया गया है, पर निर्भर रहते हुए अधिमानतः सूचीबद्ध या रिक्त छोड़ी गई/सारांशीकृत गोपनीय सूचना के साथ गोपनीय रूपांतरण की अनुकृति होना अपेक्षित है । अगोपनीय सारांश पर्याप्त विस्तृत होना चाहिए तािक गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना की विषय वस्तु को समुचित ढंग से समझा जा सके । तथािप, आपवािदक परिस्थितियों में गोपनीय सूचना प्रदाता पक्षकार यह इंगित कर सकते हैं कि ऐसी सूचना का सारांश संभव नहीं है; तो प्राधिकारी की संतुष्टि के अनुसार इस आशय के कारणों का एक विवरण उपलब्ध कराया जाना चाहिए कि सारांश क्यों संभव नहीं है।
- 19. प्रस्तुत सूचना के स्वरूप की जांच करने के बाद प्राधिकारी गोपनीयता के अनुरोध को स्वीकार या अस्वीकार कर सकते हैं । प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हैं कि गोपनीयता का अनुरोध अपेक्षित नहीं है अथवा सूचना प्रदाता उक्त सूचना को सार्वजनिक करने या सामान्य रूप में अथवा सारांश रूप में उसके प्रकटन को प्राधिकृत करने का अनिच्छुक है तो वह ऐसी सूचना की अनदेखी कर सकते हैं ।
- 20. सार्थक अगोपनीय रूपांतरण के बिना या गोपनीयता के दावे के बारे में यथोचित कारण के विवरण के बिना किए गए किसी अनुरोध को प्राधिकारी रिकॉर्ड में नहीं ले सकते हैं । संतुष्ट होने और प्रदत्त सूचना की गोपनीयता की जरूरत को स्वीकार कर लेने के बाद प्राधिकारी ऐसी सूचना के प्रदाता पक्षकार के विशिष्ट प्राधिकार के बिना किसी पक्षकार को उसका प्रकटन नहीं करेंगे ।

सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

21. नियम 6(7) के अनुसार कोई हितबद्ध पक्षकार उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है जिसमें अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय रूपांतरण रखे गए हैं ।

असहयोग

22. यदि कोई हितबद्ध पक्षकार उचित अविध के भीतर आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है अथवा उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता है या जांच में अत्यधिक बाधा डालता है तो प्राधिकारी ऐसे हितबद्ध पक्षकार को असहयोगी घोषित कर सकते हैं और अपने पास ''उपलब्ध तथ्यों'' के आधार पर जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं तथा केन्द्र सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं ।

जे. के. दादू, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 20th June, 2014

Subject: INITIATION OF INVESTIGATION OF ANTI-DUMPING DUTY IMPOSED ON IMPORT OF DIKETOPYRROLO PYRROLE PIGMENT RED 254(DPP RED 254) ORIGINATING IN OR EXPORTED FROM CHINA PR AND SWITZERLAND.

No. 14/8/2014-DGAD.—Whereas M/s Heubach Colour Private limited (herein after referred to as Applicant) has filed an application before the Designated Authority (herein after referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Antidumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 as amended, alleging dumping of Diketopyrrolo Pyrrole Pigment Red 254 (DPP Red 254) (herein after referred to as subject goods) originating in or exported from China PR and Switzerland (herein after referred to as subject countries) for initiation of Anti-dumping duty investigation for levy of anti-dumping duties on the subject goods.

2. And whereas, the Authority finds that sufficient evidence of dumping of the subject goods originating in or exported from subject countries, 'injury' to the domestic industry and causal link between the alleged dumping and 'injury' exist to justify initiation of an anti-dumping investigation; the Authority hereby initiates an investigation into the alleged dumping, and consequent injury to the domestic industry in terms of the Rules 5 of the Rules, to determine the existence, degree and effect of any alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the 'injury' to the domestic industry.

Product Under Consideration

3. The product under consideration is "Diketopyrrolo Pyrrole Pigment Red 254 (DPP Red 254)".

DPP Red 254 is a highly saturated medium shade red pigment with good hiding power, excellent fastness to organic solvent and outstanding light and weather fastness. The pigments are synthetic organic colours which retain their crystalline or particulate form throughout the application process. DPP Red 254 is having a brilliant shade, high colour strength, opacity and saturation. The chemical name of DPP Red 254 is 3, 6-bis-(4-chloropheny1)-2, 5-dihydro pyrrolo (3, 4-c) pyrrole, 1,4 dione. The molecular formula of DPP 254 is C18H10C12N2O2. The colour index number of DPP Red 254 is 56110 and chemical abstract number is 84632-65-5.

DPP Red 254 may be manufactured in many different shades or variants. All variants and shades of DPP Red 254 are covered within the scope of the product under consideration. It may be sold in crude or finished forms. The product scope includes crude pigment in any form (e.g. dry powder, paste, wet cake, etc.) and finished pigment in any form; examples include press cake, dry colour, pigment blends, pigment dispersions.

DPP Red 254 is widely used as a high performance pigment in waterborne paints, air drying alkyds, stoving enamels, acid curing systems, amine curing epoxies, isocyanate cured systems, power coatings, etc. DPP Red 254 is also used in automotive and industrial paint applications. It is used to obtain metallic effect finishes and for formulation of new saturated metallic shades. It is used in plastic applications especially in polyolefin's, PVC and PS where they offer excellent all round properties and outstanding heat resistance. Other uses include transportation crates, caps, blow molded containers and films. DPP Red 254 is also used in making warp-free formulations for injection molded HDPE.

4. The subject goods are classifiable under Chapter 32 of the Custom Tariff Act, 1975 under Tariff item 3204 17 39. DPP Red 254 is also being imported under other sub-headings such as 3204 11 11, 3204 16 30, 3204 17 11, 3204 17 19, 3204 17 20, 3204 17 60, 3204 19 73, 3204 19 84, 3204 90 00, 3206 11 10, 3206 49 90. However, the customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of this investigation.

Domestic Industry Standing

5. The application has been filed by M/s. Heubach Colour Private Limited. As per the evidence available on record, the applicant is the sole producer of the subject goods. On the basis of information available the Authority notes that the applicant company constitutes a major proportion in Indian production. The Authority, therefore, determines that the applicant constitutes domestic Industry within the meaning of the Rule 2 (b) and the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 (3) of the Rule supra.

Like Article

6. The applicant has claimed that the subject goods, which are being dumped into India, are identical to the goods produced by the domestic industry. There is no difference either in the technical, specifications, quality, functions or end-uses of the dumped imports and the domestically produced subject goods and the product under consideration manufactured by the applicant. The two are technically and commercially substitutable and hence should be treated as 'like article' under the AD Rules. Therefore, for the purpose of the present investigation, the subject goods produced by the applicant in India are being treated as 'Like Article' to the subject goods being imported from the subject countries.

Countries Involved

7. The countries involved in the present sunset review investigations are, China PR and Switzerland.

Normal Value

8. The petitioner has claimed that in the absence of any evidence of price of subject goods in the domestic markets of the subject countries, they have adopted constructed cost method for calculation of normal value based on the estimate of cost of production in India, duly adjusted. International price of raw materials, conversion and other cost of the domestic industry and reasonable profit margin have been considered to determine normal value. The Authority has prima-facie considered the normal value of subject goods in respect of these countries on the basis of best estimates of cost of production, including selling, general, administrative and finance expenses and reasonable profit as made available by the applicant for the purpose of this initiation.

Export Price

9. Export price of the subject goods from the subject countries has been estimated by considering transaction-wise import data as provided by the applicant from Directorate General of Commercial Intelligence & Statistics (DGCI&S). Price adjustments have been allowed on account of Ocean freight, marine insurance, inland transportation, port handling and port charges etc. to arrive at the net export price. There is sufficient evidence of the export prices of the subject goods from the subject countries to justify initiation of an anti-dumping investigation.

Dumping Margoin

10. The normal value and export price have been compared at ex-factory level, which shows significant dumping margin in respect of the subject countries. There is sufficient prima facie evidence that the normal value of the subject goods in the subject countries is significantly higher than the ex-factory export price, indicating, prima-facie, that the subject goods are being dumped into the Indian market by exporters from the subject countries. The dumping margins are estimated to be above *de minimis*.

Injury And Casual Link

11. The applicant has furnished evidence regarding the 'injury' having taken place as a result of the alleged dumping in the form of increased volume of dumped imports, price undercutting, price underselling, price suppression and decline in profitability return on capital employed, cash profit, market share, capacity utilization etc. of the domestic industry. There is sufficient evidence of 'injury' being suffered by the domestic industry caused by dumped imports from subject countries to justify initiation of an antidumping investigation.

Period Of Investigation

12. The period of investigation (POI) for the purpose of present investigation is 1st January, 2013 to 31st December, 2013. The injury investigation period will however cover the periods 2010-11, 2011-12 and 2012-13 and the POI.

Submission Of Information On Non-Confidential Basis

13. The known exporters in subject countries, their Government through their Embassy/Economic and Cultural Centre in India, importers and users in India known to be concerned and the domestic industry are being informed separately to anable them to file all information relevant in the form and manner prescribed. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation within the time-limit set out below and write to:

The Designated Authority
Directorate General of Anti-Dumping & Allied Duties
Department of Commerce,
Jeevan Tara Building, 4th Floor
5, Parliament Street
New Delhi -110001

Time Limit:

14. Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than 40 (forty) days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are however required to submit the information within forty days from the date of the letter addressed to them separately. If no information is received within the prescribed time limit or the submitted information is incomplete, the Designated Authority may record its findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Rules. It may be noted that no request, whatsoever, shall be entertained for extension in the prescribed time limit.

Submission Of Information On Confidential Basis

- 15. In case confidentiality is claimed on any part of the questionnaire's response/submissions, the same must be submitted in two separate sets (a) marked as Confidential (with title, index, number of pages, etc.) and (b) other set marked as Non-Confidential (with title, number of pages, index, etc.). All the information supplied must be clearly marked as either "Confidential" or "non-confidential" at eh top of each page.
- 16. Information supplied without any mark shall be treated as non-confidential and the Authority shall be at liberty to allow the other interested parties to inspect any such non-confidential information. Two (2) copies of each of the confidential version and the non-confidential version must be submitted.

- 17. For information claimed as confidential; the supplier of the information is required to provide a good cause statement along with the supplied information as to why such information cannot be disclosed and/or why summarization of such information is not possible.
- 18. The non-confidential version is required to be a replica of the confidential version with the confidential information preferably indexed or blanked/summarized depending upon the information on which confidentiality is claimed. The non-confidential summary must be in sufficient detail to permit a reasonable understanding of the substance of the information furnished on confidential basis. However, in exceptional circumstances, party submitting the confidential information may indicate that such information is not susceptible to summary, a statement of reasons why summarization is not possible, must be provided to the satisfaction of the Authority.
- 19. The Authority may accept or reject the request for confidentiality on examination of the nature of the information submitted. If the Authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or if the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorize its disclosure in generalized or summary form, it may disregard such information.
- 20. Any submission made without a meaningful non-confidential version thereof or without a good cause statement on the confidentiality claim shall not be taken on record by the Authority. The Authority on being satisfied and accepting the need for confidentiality of the information provided; shall not disclose it to any party without specific authorization of the party providing such confidential information. Parties, may that such information will be subject to acceptance in terms of Anti-Dumping Rule 7(1) and 7(2).

Inspection Of Public File:

21. In terms of Rule 6(7), the Designated Authority maintains a public file. Any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by the interested parties.

Non-Cooperation

22. In case any interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

J. K. DADOO, Designated Authority